हथकरघा उद्योग का विकास

2605. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हथकरघा विकास आयुक्त ने गत वर्षों के दौरान हथकरघा उद्योग के विकास के लिए विभिन्न योजनायें लागू की हैं,

(ख) क्या यह भी सच है कि हथकरघा क्षेत्र की उत्पादकता बढाने और तैयार माल को लाभकारी मूल्य पर बेचने के लिए कुछ योजनायें बनाई गई हैं,

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है,

(घ) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान हथकरघा उद्योग की उत्पादकता बढ़ाने और उनके उत्पादों की बिक्री उचित मूल्य पर करने की व्यवस्था करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, और

(ङ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां ।

(ख) जी हां ।

(ग) हथकरघों पर उत्पादन में वृद्धि करने और तैयार माल उचित मूल्यों पर विक्रय करने में सहयोग देने हेतु हथकरघा क्षेत्र मे कार्यान्वित योजनाओं में से कुछ योजनाओं का ब्यौरा इस प्रकार है :—

(1) करघों के आधुनिकीकरण/नवीनीकरण/खरीद के लिए सहायता ।

(2) बुनकर सेवा केन्द्रों के माध्यम से बुनकरों का प्रशिक्षण ।

(3) विपणन विकास सहायता योजना ।

(4) राष्ट्रीय हथकरघा एक्सपों में हथकरघा उत्पादों की बिक्री पर विशेष छूट ।

(5) विपणन काम्पलैक्स की स्थापना के लिए सहायता ।

(6) राष्ट्रीय डिज़ाइन संग्रह कार्यक्रम ।

(7) प्रोजेक्ट पैकेज योजना ।

(घ) व (ङ) यद्यपि उत्पादन और हथकरघा उत्पादों की बिक्री के संदर्भ में विशेष लक्ष्य निधोरित नहीं किए गए हैं लेकिन आठवीं योजना के दौरान प्लान योजनाओं के लिए 300 करोड़ रुपए का परिव्यय प्रस्तावित है ।

हथकरघा की उत्पादकता

2606. **श्री वीरेन जे० शाह :**
श्री राम जेठमलानी : क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 15 सितम्बर, 1992 के "आब्जरवर" में "हैंडलूम वीवरस् येट टू बेनीफिट फ्राम ग्रांट्स" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है,

(ख) क्या यह सच है कि देश में राष्ट्रीय स्तर पर हथकरघा की उत्पादकता प्रति हथकरघा 5.12 मीटर है,

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में तथ्य क्या है,

(घ) क्या यह भी सच है कि दिल्ली राज्य में यह उत्पादकता प्रति हथकरघा 14.26 मीटर है जबकि असम राज्य में यह उत्पादकता प्रति हथकरघा केवल 0.63 मीटर है,

(ङ) यदि हां, तो सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान इस विषमता को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए हैं, और

(च) क्या सरकार ने हथकरघा को कम उत्पादकता वाले राज्यों की पहचान की है, यदि हां तो वे कौन-कौन से राज्य हैं और आगामी वर्षों के दौरान उत्पादकता बढ़ाने के लिए सरकार की योजना क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां,

(ख) जी हां,

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) दिल्ली और असम में प्रति करघा, प्रति दिन क्रमशः 14.28 मीटर और 0.63 मीटर कपड़े का उत्पादन होता है ।

(ङ) और (च) उत्तर पूर्वी राज्यों, विशेषकर असम में घरेलू हथकरघों की संख्या अधिक है । इन राज्यों में बुनाई एक पारिवारिक और सांस्कृतिक कार्य-कलाप है और बुनकरों की समूची आय में वृद्धि करने का एक साधन है । करघे की उत्पादकता, कपड़े के प्रकार, करघे के प्रकार, बुनकर की क्षमता आदि पर निर्भर करता है। संशोधित उपकरणों की आपूर्ति के माध्यम से हथकरघों की उत्पादकता में वृद्धि करने और कपड़े की क्वालिटी में सुधार लाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने आधुनिकीकरण की एक योजना कार्यान्वित की है । 8वीं योजना के दौरान करघों के आधुनिकीकरण के लिए 17 करोड़ रुपए का परिव्यय आवंटित किया गया है। हथकरघा क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ाने और अच्छी किस्म का कपड़ा तैयार करने के उद्देश्य से वर्ष 1987 से बुनकरों के लिए विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण योजनायें कार्यान्वित की जा रही हैं । वर्ष 1991–92 में आरम्भ की गई प्रोजेक्ट पैकेज योजना का उद्देश्य भी बुनकरों की आय में वृद्धि करना है।

बिजली–चालित करघा मजदूरों को प्रोत्साहन

2607. **श्री वीरेन जे० शाह :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 20 अक्तूबर 1992 के "ट्रिब्यून" में "गवर्नमेंट स्कीम टु एनश्योर पावरलूम वर्कर्स" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ।

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में कपड़े की आवश्यकता का 65 प्रतिशत से अधिक भाग बिजली-चालित करघों द्वारा पूरा किया जाता है ;

(ग) यदि हां, तो बिजली–चालित करघा मजदूरों की हालत और उनके जीवन स्तर में सुधार करने के लिए उनको क्या-क्या प्रोत्साहन दिए जाने का प्रस्ताव है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि कच्चे माल की अनुपलब्धता के कारण बिजली-चालित करघों की स्थापित क्षमता का पूरा उपयोग नहीं किया जा रहा है ; और

(ङ) यदि हां, तो वर्ष 1992–93 के दौरान इस क्षेत्र में उत्पादन क्षमता कितनी रही है और इस अवधि के दौरान उनकी क्षमता के उपयोग की प्रतिशतता कितनी रही है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत : (क) जी हां।

(ख) जी हां । वर्ष 1991–92 के दौरान मिल करघा क्षेत्र में कपड़े का उत्पादन कुल उत्पादन का 71 प्रतिशत था ।